डेरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा का अभिनवीकरण कार्यक्रम आयोजित

पंतनगर। 29 जनवरी, 2010। विष्वविद्यालय के पषुचिकित्सा महाविद्यालय मे इग्नू द्वारा संचालित डेरी टेक्नोलॉजी के डिप्लोमा कार्यक्रम में इस वर्ष प्रवेष लेने वाले षिक्षार्थियों का एक अभिनवीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पषुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. जी.के. सिंह थे। इस अवसर पर नये षिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है किन्तु प्रत्येक व्यक्ति को जितना दुग्ध मिलना चाहिए वह नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की अपेक्षा विष्व के कई देषों में 4 गुना तथा कुछ देषों में तो 10 गुना दुग्ध का उत्पादन किया जा रहा है। अतः भारत में भी प्रति जानवर दूध का उत्पादन बढ़ाने की आवष्यकता है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को अधिक दूध उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने दूध से जुड़े उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में बनाये जाने की आवष्यकता पर भी बल दिया। इस कार्य में डेरी टेक्नोलॉजी का यह डिप्लोमा कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। उन्होंने आषा व्यक्त की कि सभी षिक्षार्थी इस कार्यक्रम के तहत व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर देष एवं समाज को लाभान्वित करने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर सयुंक्त निदेषक संचार, डा. ज्ञानेन्द्र शर्मा ने अपने सम्बोधन में दूर षिक्षा के कार्यक्रमों को काफी उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी मुक्त विष्वविद्यालय के कई कार्यक्रम देष में ही नहीं बल्कि विदेषों में भी सफलता पूर्वक चल रहे हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम में प्रवेष लेने वाले सभी षिक्षार्थियों को शुभकामनायें दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी डा. डी.वी. सिंह, एकेडमिक काउसंलर, डा. संजय कुमार, डा. पी.के. सिंह, डा. एस.के. सिंह एवं डा. आर.एस. बरवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में पषुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते अधिष्ठाता, पषुचिकित्सा डा. जी.के. सिंह